पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

जोगीवाड़ा

पंचायत- कोलखंडा खास

तहसील- दोवड़ा, जिला- डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

जोगीवाड़ा गाँव का परिचय

जोगीवाड़ा गाँव कोलखंडा खास ग्राम पंचायत का एक राजस्व गाँव है । गाँव डूंगरपुर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा की ओर स्थित है । जोगीवाड़ा गाँव की सीमा के उत्तर-पूर्व में कुबेरा, पूर्व-दक्षिण में बारी और रामा, उत्तर-पश्चिम में समोता गाँव है ।

गाँव में करीब 80 घर है जिनकी आबादी करीब 300 है। गाँव के लोग छोटे-2 समूहों में अपने खेतों के पास छोटी डूंगरियों पर रहते है। जहां आने जाने के लिये 2 पक्की, 3 सी.सी. सड़के और 5 कच्ची सड़के है । गाँव में परमार (एस.टी.) जाति के सिर्फ 3 घर है और ज्यादातर ओ.बी.सी. जाति के पाटीदार, लोहार, मोरपटेल, दर्जी, नाई, हरिजन, जोगी और सामान्य जाति में राजपूत जाति के लोग है । गाँव के ज्यादातर लोगों को राजस्थान सरकार के पेसा कानून के नियमों की जानकारी है । गाँव की कृषि जमीन 341.17 बीघा, बेनामी जमीन 99.03 बीघा और चारागाह की जमीन अलग से शामिल है । गाँव में जंगल की जमीन बिल्कुल नहीं बची है । बिलानाम और चारागाह जमीन वन विभाग के कब्जे में है ।

आवागमन की स्थिति

जोगीवाड़ा गाँव में तीन सड़के पक्की और डामरीकृत है, लेकिन 2 सड़के टूटी हुयी है । एक पक्की सड़क गाँव से होती हुई रामा से कुबेरा गाँव में निकल जाती है और बाकि की दोनों पक्की सड़के इसी रोड से निकलकर कुबेरा गाँव के दूसरे छोर तक जाती है । इसके अलावा 3 सी.सी. सड़के है और गाँव के भीतर के पहाड़ी फलों में जाने के लिए 5 कच्ची सड़के है। गाँव के मुख्य सड़क पर एक बस स्टैंड है जहाँ से प्राइवेट बस, ऑटो दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है । लेकिन गाँव के फलों में केवल निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए मुख्य बाजार पुनाली 12 किमी और डूंगरपुर 40 किमी दूर है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में एक उच्च प्राथमिक विद्यालय है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में 148 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है बच्चों को पढ़ाने के लिए 8 अध्यापकों का स्टाफ नियुक्त किया गया है । उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत से पानी टपकता है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है । गाँव के अधिकतर बच्चे स्कूल जाते है । गाँव में 1 आंगनवाड़ी है जिसमे तीन का स्टाफ है । लेकिन आंगनवाड़ी में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, इस कारण गाँव के बच्चे उसमे कम ही जाते है ।

गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र है, जहाँ बुखार, सर्दी-जुकाम, ख़ासी जैसी सामान्य बिमारियों की दवा मिल जाती है । उप-स्वास्थ्य केंद्र की छत से पानी टपकता है और भवन जर्जर हो गया है । बडा हॉस्पीटल 35 किमी दूर डूंगरपुर में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल पुनाली में 8 किमी दूर है । पशु के बीमार होने पर डॉक्टर कों घर ही बुलाया जाता है क्योंकि पशु को ले जाने में खर्चा अधिक आता है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सभी घरों में बिजली है। गाँव में 4 बिजली के ट्रांसफार्मर है। गाँव में 72 परिवारों को आवास योजना का लाभ मिला है, जिसमें से 4 इंदिरा आवास, 8 प्रधानमंत्री आवास और 60 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है। तथा गाँव में 20 पेंशनधारी है, जिनमें 8 महिलायें तथा 10 पुरूषों को वृद्धावस्था पेंशन और 02 महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है । गाँव में लगभग 100 घरों में गैस कनेक्शन है कुछ लोगों ने निजी कनेक्शन ले रखा है ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि की जमीन 341.17 बीघा है । अधिकतर कृषि जमीन उबड़-खाबड़ और पथरीली है, समतल खेती की जमीन नहीं के बराबर है खेती में गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना उगाया जाता है । लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है ।

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है, कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है । गाँव के युवा और पढ़े-लिखे पुरुष अपने परिवार के साथ गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर बच्चों की अच्छी शिक्षा और बेहतर जीवन की उम्मीद में पलायन कर जाते है, जहां वे फेक्ट्रीयों में काम करते है।

सिंचाई के पानी की स्थिति

गाँव में पानी की स्थिति काफी विकट है, सिंचाई के पानी के लिए 1 तालाब (न्याप तालाब), 12 कुएं और एक नहर है जो तालाब से निकलती है । सिचाई के लिए पानी बारिश के बाद दो माह के लिए ही मिल पाता है । न्याप तालाब में मिट्टी भर जाने से उसकी गहराई कम हो गयी है और इस कारण उसमे पानी की आवक भी कम है । गाँव में कोई एनिकट भी नहीं है जिससे की बारिश के बहते पानी को रोका जाये । 12 कुओं में से 8 कुएं पानी उपलब्ध कराते है, इनसे भी गर्मी में मात्र पशुओ के पीने जितना ही पानी मिल पाता है । गाँव में कुछ लोगो ने निजी बोरवेल भी खुदवाये है, लेकिन सभी जल-स्रोत मध्य ग्रीष्म ऋतु में सूख जाते है । गर्मी में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है ।

जोगीवाड़ा गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण

प्राकृतिक संसाधन

गांव में बिलानाम जमीन, पहाड़ और चारागाह सभी वन विभाग के कब्जे में है । गाँव में जंगल की जमीन खत्म ही हो गयी है आज से 40 - 50 साल पहले सभी छोटी पहाड़ियाँ हरी-भरी थी और उनपर घास एवं सागवान, गोंद, आवला, महुआ के पेड़ थे, जंगल से चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। लेकिन अब जंगल बर्बाद हो गया है, सागवान, महुआ के पेड़ खत्म हो गये है । चारागाह भूमि पर भी वन विभाग से अनुमति लेकर एक निश्चित राशि जमा करने के बाद ही चारा काटते है।

जल व भूमि प्रबंधन की कमी

गाँव के तालाब और कुएं जल्दी ही सूख जाते है क्योंकि गहराई कम होने और रिन्ग्वाल में दरारे होने के कारण पानी रिस कर निकल जाता है और सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में पानी का स्तर 150 फुट से भी ज्यादा गहराई में चला गया है । गाँव में 12 कुएं है, जिसमे से 8 चालू रहते है बाकी 4 कुएं सूखे ही रहते है । 8 चालू कुओं में गर्मी के खत्म होते पानी इतना ही बचता है कि पशुओ के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हो पाती है । गाँव में 10 हैंडपंप है जिसमे से 8 हैंडपंपों से पूरे साल पीने का पानी मिल जाता है । यदि कोई हैंडपंप ख़राब भी हो जाते है तो गाँव के लोग जलदाय विभाग और पंचायत को बताकर उसे ठीक करवा लेते है । सभी हैंडपंप और बोरवेल का पानी खारा फ्लोराइड युक्त है । वर्षाजल को संरक्षित करने के विषय में गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है न ही पंचायत और सरकार इस समस्या की ओर ध्यान दे रही है ।

गाँव में ज्यादातर लोग कई पीढियों से गाँव में रह रहे है लेकिन उनको उनकी कब्जे की जमीन का पट्टा या अधिकार पत्र नहीं मिला है इसका मुख्य कारण पट्टे के लिए आवेदान करने और उसको जमा कहाँ करना है उसकी जानकारी की अनभिज्ञता है । गाँव की चारागाह की जमीन पर वन विभाग ने कब्ज़ा कर लिया है, छोटी-छोटी डुंगरियों पर लोगो ने कब्ज़ा कर रखा है। गाँव की आबादी बढ़ने से भी खेती की जोत भी कम हो रही है । ज्यादातर खेत उबड़-खाबड़ और पथरीले है, उन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है । खेतों में सिंचाई के पानी का संकट रहता है जिस कारण लोग खाने के लिए अनाज का उत्पादन पूरी तरह से बारिश पर ही निर्भर है ।

आवागमन की समस्या

जोगीवाड़ा गाँव में 3 पक्की डामरीकृत सड़के है, लेकिन 2 टूटी हुयी है । पक्की सड़को पर खड्डे हो गये है और रात में रोशनी के लाइट न होने की जिसकी वजह से दुर्घटना की आशंका रहती है । गाँव में 3 सी.सी. सड़के है जो मुख्य सड़क कुछ घरों तक पहुँच बनाती है, लेकिन इनके साथ बनी नालिया टूट गयी है और सफाई के अभाव में कीचड़ भर गया है, जिससे नालियाँ अवरूध्द हो जाती है और गन्दा पानी सड़कों पर फ़ैल जाता है । इसके अलावा गाँव में भीतर के फलों में जाने के लिए 5 कच्ची सड़के है। गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए जितनी भी कच्ची सड़के है वो इतनी सकरी है कि केवल पैदल या मोटर साइकिल से जा सकते है । गाँव के मुख्य सड़क से ऑटो दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है । बारिश के मौसम में मिटटी की कच्ची सड़को पर चलने वालो को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है । गाँव से चलने वाले ऑटो और जीप चालक अपनी मनमर्जी से किराया वसूलते है और समय पर चलते भी नहीं है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में एक उच्च प्राथमिक विद्यालय है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में 148 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है बच्चों को पढ़ाने के लिए 8 अध्यापकों का स्टाफ नियुक्त किया गया है । उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत से पानी टपकता है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है । कमरों की कमी के कारण दो कक्षाओ के छात्र-छात्राओं को एक साथ बैठ कर पढाई करते है, जिससे न केवल बच्चों की पढाई बाधित होती बल्कि ज्ञानार्जन गुणवत्ता में

भी कमी आती है । विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान, हिंदी ठीक से पढ़ना भी नहीं जानते है, अक्सर नियुक्त अध्यापक भी विद्यालय नही आते है क्योंकि उन्हें विद्यालय के अन्य कार्य भी करने पड़ते है । गाँव में 1 आंगनवाडी है जिसमे तीन का स्टाफ है । लेकिन आंगनवाडी में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, इस कारण गाँव के बच्चे उसमे कम ही जाते है ।

गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र है, जहाँ बुखार, सर्दी-जुकाम, ख़ासी जैसी सामान्य बिमारियों की दवा मिल जाती है । लेकिन इसकी हालत ख़राब जर्जर है, छत से पानी टपकता है । बडा हॉस्पीटल 35 किमी दूर डूंगरपुर में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल पुनाली में 8 किमी दूर है । पशु के बीमार होने पर डॉक्टर कों घर ही बुलाया जाता है क्योंकि पशु को ले जाने में खर्चा अधिक आता है ।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरीपालन किया जाता है । पर्याप्त मात्रा में बारिश ना होने के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। पर्याप्त और पौष्टिक पशु आहार के अभाव में दूधारू पशु दूध भी कम देते है । गाय 1 लीटर और भैंस ढाई लीटर ही दूध देती है । दूधारू पशु भी अच्छी नस्ल के नही है । चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

अधिकतर कृषि जमीन पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीली है, समतल खेती की जमीन नहीं के बराबर है गाँव में कृषि की जमीन 341.17 बीघा है । गाँव में भू-जल स्तर 150 फुट से भी नीचे चला गया है। खेती में गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना उगाया जाता है । जिन कृषकों के पास सिंचाई करने के लिए बोरवेल है वे मोटर के जरिये पानी निकाल कर फसल का उत्पादन करते है । लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है । राशन की दुकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर सरकारी आदेशानुसार जब तक घर में शौचालय नहीं बन जाता तब तक राशन नहीं दिया जाता, पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट ना आना या इन्टरनेट कनेक्टिविटी की भी समस्या रहती है कई बार तो लोगो को बार बार अपनी दिहाड़ी मजदूरी छोड़ कर लाइन में लगना मज़बूरी रहती है । राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है । जोगीवाड़ा गांव में केरोसीन देना बंद कर दिया गया है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये अधिकतर जल-स्रोत में गर्मी के मौसम में पानी कम हो जाता है। *यदि वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । खेती में अधिकं रासायनिक खाद का उपयोग और सिचाई के पानी में ज्यादा खारापन होने के कारण जमीन कठोर हो गयी है और उत्पादन घट गया है ।*

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है । गांव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। अभी मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। रोजगार के साधनों के अभाव के पीछे मुख्य कारण अच्छी तकनीकी शिक्षा नहीं मिलना और उन्नत खेती के प्रशिक्षण का अभाव है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में कोई नदी, नाला या एनिकट नहीं है । गाँव में मात्र एक तालाब है जिसमे बारिश का पानी एकत्र होता है । इस तालाब में पानी की आवक कम होने से पानी भी कम समय के लिए ही ठहरता है । लोगो ने खेतों में छोटे चेकडैम बना रखे है । गाँव में 12 कुएं और 10 हैंडपंप है जिनमे से 4 कुएं और 2 हैंडपंप सूखे ही रहते है । जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है । चालू कुओं के पानी से सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये व्यवस्था की जाती है । गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	फ्लोराइड मुक्त पेयजल के लिए गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना । नहर की रिन्गवाल की मरम्मत करवाकर गहरी करना । खेतों में पानी के लिए छोटे पक्के गड्डे बनाना ताकि सिंचाई के लिए पानी को रोका जा सके । तालाब को गहरा करवाना । उचित स्थान पर एनिकट बनवाना या बड़ा तालाब खुदवाना ताकि ज्यादा समय तक पानी रहे तथा सिचाई भी पूरी हो सकती है । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़	गाँव में जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाड़िया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है। कृषि जमीन 341.17 बीघा है, बेनामी जमीन पर वन विभाग का अधिकार है। पहाड़ियों पर विलायती बबूल के पेड़ है । चारागाह से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है।	गाँवसभा प्रस्ताव में दर्ज करवाकर केटेगरी-4 के अंतर्गत भूमि समतलीकरण अपना काम योजना के तहत करवाकर उसे अधिक उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की जिस जमीन पर खेती नहीं होती है या जंगली घास है उसे साफ करके वृक्षारोपण रोपण करना, लघुवनोपज से आय के साधन बनाए जा सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में 3 पक्की सड़कों में से 2 टूटी हुई है । सी.सी. सड़के भी खराब हो गयी है उनमे खड्डे पड़ गये है और नालियाँ भी टूट गयी है । 5 कच्ची मिट्टी की सड़के	गाँव के सभी कच्चे रास्ते चौड़े करके सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में

	है जो बारिश में फिसलन भरी और कीचड़ से लबालब हो जाती है । सड़कों के अभाव में सबसे ज्यादा परेशानी मरीजों और गर्भवती महिलाओ को समय पर सुविधा नहीं मिल पाती है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है ।	आवागमन में सुविधा होगी ।
उच्च प्राथमिक स्कूल	गाँव में 1 उच्च प्राथमिक स्कूल है । स्कूल का भवन कमजोर हो गया है, कमरों की कमी, बारिश में पानी टपकने की समस्या है । शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था भी नहीं है ।	स्कूल की मरम्मत और नये कमरे बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा कर पानी की व्यवस्था करना । स्कूल में बच्चों के पीने के पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगाया जा सकता है ताकी बीमारियों से मुक्त रहे । अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद करना ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में एक उच्च प्राथमिक स्कूल है, स्कूल जर्जर हो गया है । स्कूल में अध्यापकों की कमी, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है । कक्षा-कक्षों की कमी है ।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर अध्यापकों की नियुक्ति और अध्यापकों को पाबंद करना, कमरा निर्माण, शुद्ध पानी की व्यवस्था और नये शौचालय बनवाने हेतु पंचायत और शिक्षा विभाग से ज्ञापन देकर समस्या हल करना	तात्कालिक
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में भू-जल 150 फिट गहराई में चला गया है । गाँव में कुछ कुएं और हैंडपंप सूखे है और जो चालू है उनका पानी फ्लोराइड युक्त है। तालाब में पानी कम रुकने और कुओं में	जो हैंडपंप बंद हो गये है उन्हें गहरा कर चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकी फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में बरसात के पानी को	**दीर्घकालिक**

			जल स्तर नीचे जाने से पशुओ के लिए भी पानी कम हो जाता है ।	एनिकट बना कर और तालाब में ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	
3	**कृषि संबधी समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई के बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 2 तालाब है लेकिन 1 ही तालाब काम में आता है क्योंकि दूसरा तालाब अब गड्डा मात्र बचा है ।	अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत उबड़ खाबड़ खेतों को समतल करना, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों में कच्चे चेकडैम और पक्के टांके का निर्माण। घर के आँगन में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में सड़क व्यवस्था चरमराई हुई है । पक्की और सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के भी बारिश के समय कीचड़ में हो जाती है । राहगीरों को आने-जाने में समस्या रहती है ।	गाँवसभा बनने के बाद बैठकों में कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना और जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं । टूटी हुई सड़कों को ठीक करवाने के लिए पंचायत में प्रस्ताव देना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन**	**व्यक्तिगत**	गाँव में सभी लोगो को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलता है । गाँव में कुछ लोगो को आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है । उनके नाम सूची में नहीं जुड़े है, जिनके आवास तैयार है उनको पूरी	गाँवसभा के जागरूक सदस्यों के द्वारा लोगों का आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और बकाया राशि का भुगतान कराना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से	**तात्कालिक**

	संबधी समस्या		राशि का भुगतान नहीं हो पाया है । गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों को नहीं मिल पा रही है।	जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना और सामुदायिक भूमि पर अधिकार नहीं**	**सार्वजनिक**	गाँव में लोगों को उनके कब्जे की जमीन का खातेदारी हक नहीं मिला है । वर्तमान में राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में सरकारी फरमानों से जमीन जाने का खतरा है । जानकारी के अभाव में गाँव के लोगो ने चारागाह व बिलानाम जमीन पर दावा फाइल नहीं लगाई है ।	कब्जे की जमीन के लिए व्यक्तिगत दावा और जंगल की जमीन के लिए सामुदायिक दावा करना । कब्जे की जमीन की पैनल्टी कोर्ट में जमा करना और धारा 91 के अनुसार काबिज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में ही है वहां दूसरे गाँव से भी लोग आते है और अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है, मिट्टी का तेल बंद करने के साथ अन्य वस्तुएं राशन कार्ड पर मिलती है उन्हें भी बंद कर दिया गया है ।	राशन की दुकान ऐसे स्थान पर हो जहाँ इन्टरनेट की समस्या ना आये । जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना । राशन सामग्री पूरी और गुणवत्ता वाली दी जाये ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	गाँव में पक्की सड़के केवल गाँव में आने-जाने के लिए है । पक्की और सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के ज्यादा नहीं है । पहाड़ियों पर केवल पगडण्डियों से ही जा सकते है ।	रास्ते अच्छे होने से बीमार लोगों को आसानी से समय रहते इलाज मिल सकता है । लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी।	गाँव के लोग समस्या को लेकर दबाव नहीं बनाते है कि यह कार्य सरकार व पंचायत का है । गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना ।
जल नहर तालाब कुआं हैंड पंप	गाँव में बारिश के जल संग्रहण के लिए उचित व्यवस्था नहीं है गाँव में एक तालाब है और एक नहर है । इसके अलावा 8 चालू कुएं और 8 हैंडपंप है जो पानी उपलब्ध कराते है । गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना । जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	ढलान वाले स्थानों पर कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण,तालाब गहरीकरण और एनिकट बनाना । पानी को रोकने के लिए पक्की टंकी का निर्माण करवाना, जिससे अशुद्ध पीने के पानी की समस्या को दूर किया जा सकता है । भू-जल को सही तरीके से संरक्षित उपयोग करना ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये ।	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्य योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।
रोजगार के साधन	गाँव में रोजगार के साधन खेती या नरेगा है । कृषि उत्पादन की कमी । अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव ।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव । जमीन के बेहतर

	अच्छी तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिलना ।	के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं।	प्रबंधन की कमी।
जमीन	सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

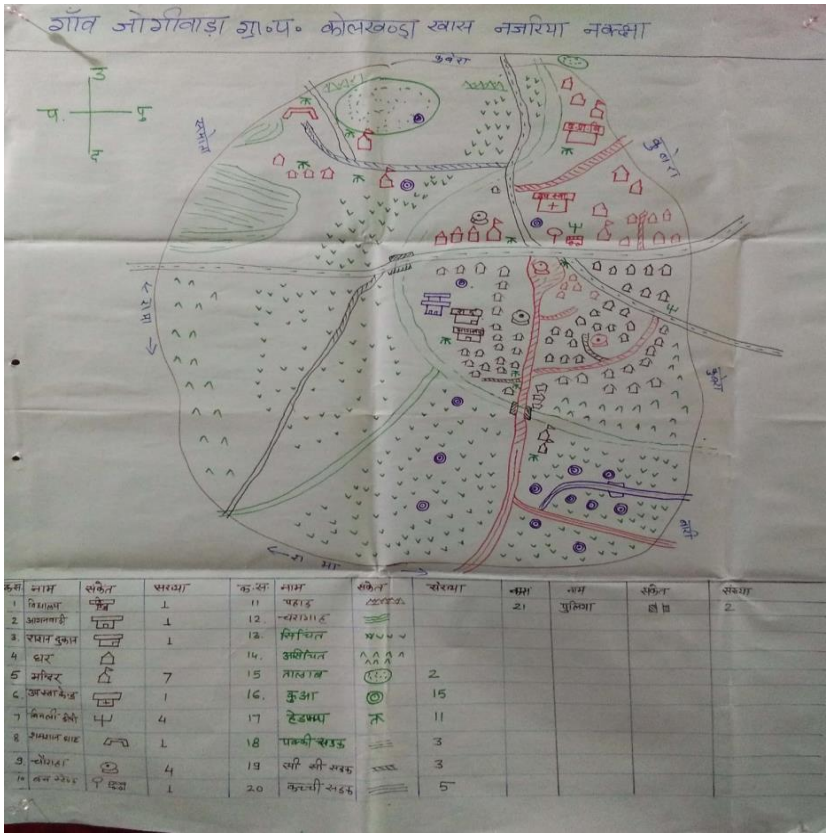

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	36
विकलांग पेंशन	2
पी.एम., सी.एम. आवास योजना नए निर्माण	49
बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	2

शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में शौचालय की बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	1 22
स्कूल के सम्बन्ध में छत मरम्मत, परकोटा र्निमार्ण, आर. ओ. प्लांट लगाना,	रा. उ. प्रा. वि.
आंगनवाडी भवन की छत मरम्मत के सम्बन्ध में	1
उप-स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत के सम्बन्ध में	1
राशन की दुकान की मरम्मत के सम्बन्ध में	1
सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बन्ध में सामुदायिक भवन मरम्मत के सम्बन्ध में	1 1
तालाब गहरीकरण व रिंगवाल	1
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण और मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	26
शमशान घाट निर्माण (स्नानघर, टिन-शेड, चबूतरा)	1
सी. सी. सड़क निर्माण	4
हैंडपंप के सम्बन्ध में नए हैंडपंप हैंडपंप मरम्मत	 3 1
एनिकट निर्माण के सम्बन्ध में	1
सड़क किनारे नाली निर्माण के सम्बन्ध में	
श्रमिक कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में	
रोड किनारे लाइट की व्यवस्था	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

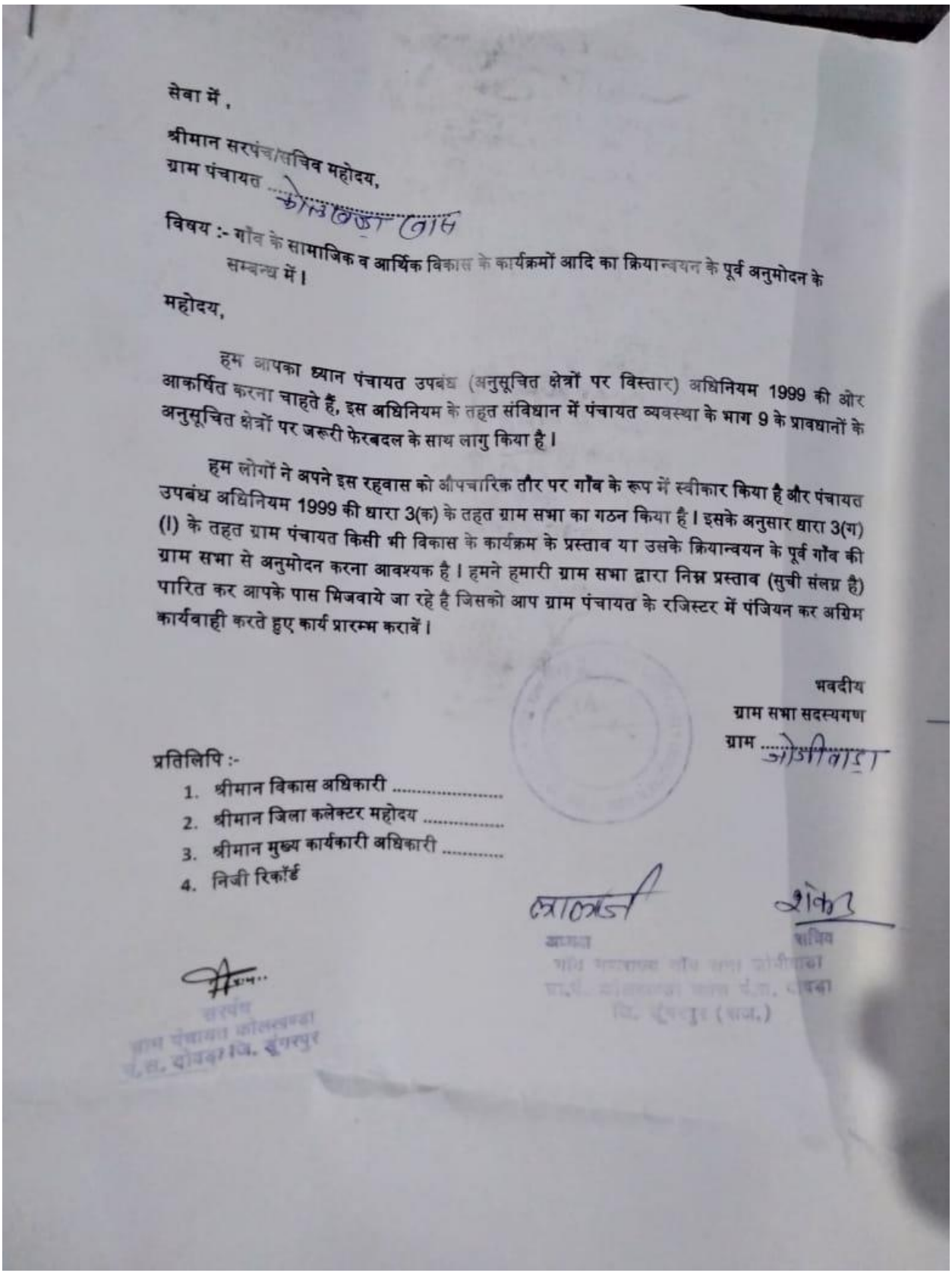

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ओडीवाड़ा

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी ....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ....
4. निजी रिकॉर्ड

सरपंच

सचिव

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ......कोलखण्डा खास

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में ।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है ।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है । हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें ।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ......ओडीवाड़ा

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी ....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ....
4. निजी रिकॉर्ड

अध्यक्ष

सचिव

जि. डूंगरपुर (राज.)

सरपंच
ग्राम पंचायत कोलखण्डा
पं.स. दोवड़ा जि. डूंगरपुर

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 22/8/18 को जोगीवाड़ा गाँव की गाँवसभा पारिवार समाज के सामुदायिक भवन पर आयोजित की गयी। गाँव सभा में मौजूद गाँव वासियों ने शंकरलाल/घावराजी को अध्यक्ष चुना। जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही गयी। गाँव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और इनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा

(1) पेंशन के सम्बंध में।
(2) PM/CM आवास के सम्बंध में
(3) शौचालय के सम्बंध में
(4) विद्यालय के सम्बंध में
(5) ~~[illegible]~~ आंगनवाड़ी छत मरम्मत के सम्बन्ध में
(6) स्वास्थ्य केन्द्र छत की मरम्मत के सम्बंध में
(7) राशन की दुकान छत मरम्मत के सम्बंध में
(8) सामुदायिक भवन मरम्मत/नया निर्माण के सम्बंध में
(9) तालाब मरम्मत के सम्बंध में
(10) केटेगरी-4 के कार्य के सम्बंध में (

(11) ~~[illegible]~~ श्मशान घाट के सम्बन्ध में श्मशान घाट पर छत व पक्का निर्माण व चारदीवारी [illegible]
(12) रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में
(13) आर. ओ. प्लाण्ट के सम्बन्ध में
(14) हेण्डपम्प मरम्मत के सम्बंध में
(15) एनीकट के सम्बंध में
(16) पूरे गाँव में नाली निर्माण के सम्बन्ध में
(17) सड़क किनारे रोडलाइट की व्यवस्था
(18) श्रमिक कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में
([illegible])

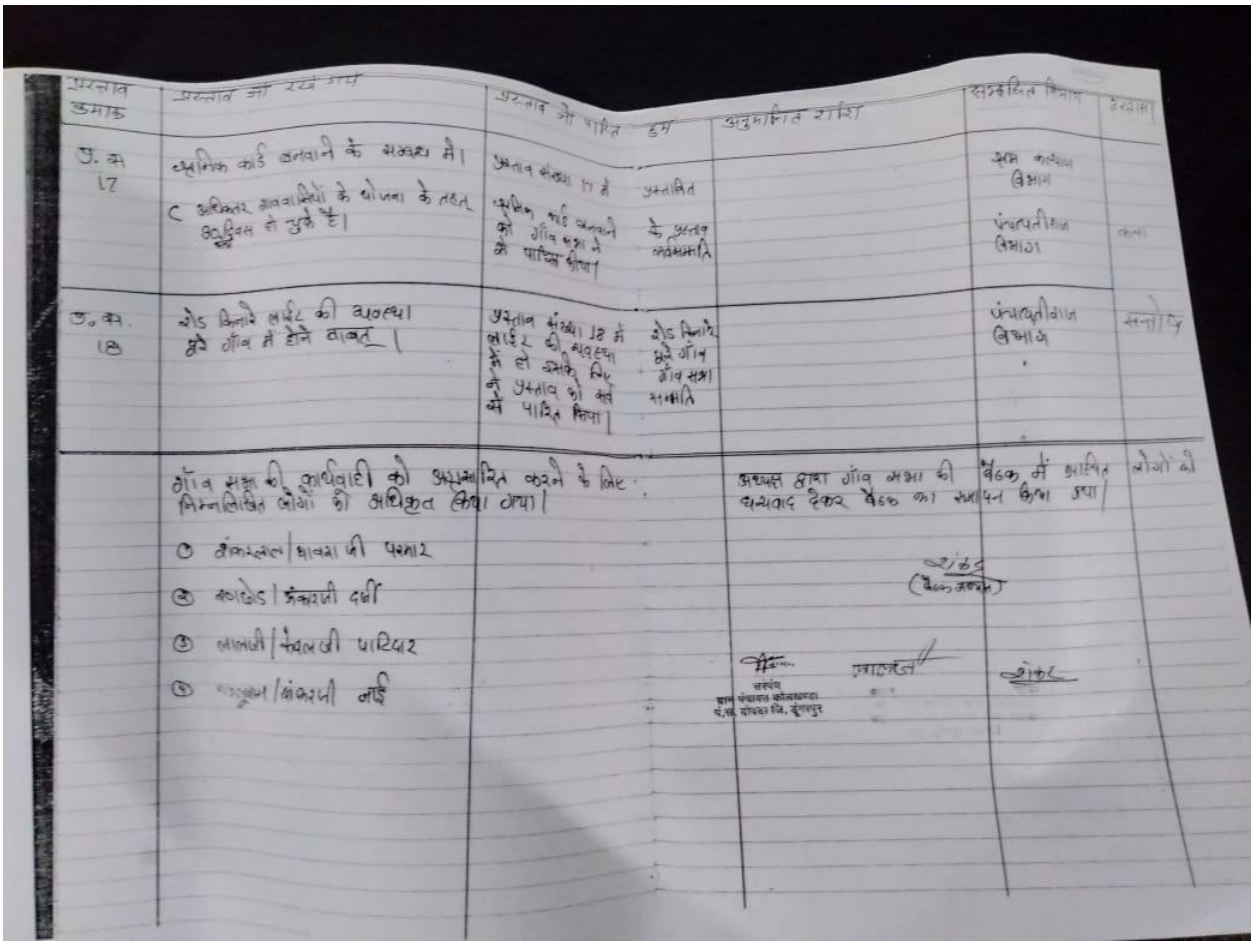

प्रस्ताव क्रमांक	प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुए	अनुमानित राशि	सम्बंधित विभाग	टिप्पणी
प्र. क्र. 17	श्रमिक कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में। अधिकतर गांववासियों के योजना के तहत 80 दिवस हो चुके है।	प्रस्ताव संख्या 17 में श्रमिक कार्ड बनवाने को गाँव सभा ने पारित किया। प्रस्तावित के प्रस्ताव सर्वसम्मति		श्रम कल्याण विभाग, पंचायतीराज विभाग	[illegible]
प्र. क्र. 18	रोड किनारे लाईट की व्यवस्था पूरे गाँव में होने बाबत।	प्रस्ताव संख्या 18 में लाईट की व्यवस्था में हो इसके लिए गाँव सभा ने प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित किया। रोड किनारे पूरे गाँव		पंचायतीराज विभाग	सन्तोष
	गाँव सभा की कार्यवाही को प्रमाणित करने के लिए निम्नलिखित लोगों को अधिकृत किया गया। ① शंकरलाल/धावजी परमार ② [illegible]/शंकरजी [illegible] ③ लालजी/केवलजी पारिदार ④ [illegible]/शंकरजी नाई		अध्यक्ष द्वारा गाँव सभा की बैठक में उपस्थित लोगों को धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया गया। शंकर (बैठक अध्यक्ष) सरपंच ग्राम पंचायत [illegible] पं.स. [illegible] जि. डूंगरपुर		

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. मोतीलाल 9680994351
2. शंकरलाल परमार 8890168368
3. विपिन 8290424347
4. नरेश 9602760797
5. दोलतराम परमार
6. कचरा लाल 8890902866